समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

ट्रम्प के H-1B वीज़ा 'गोल्ड कार्ड' की घोषणा : भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए चुनौतियाँ और अवसर

Sanket Morankar Published on 22 Sep 2025

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति **डोनाल्ड ट्रम्प** ने हाल ही में H-1B वीज़ा के लिए नई योजना **"गोल्ड कार्ड"** की घोषणा की है। यह कदम विशेष रूप से **भारतीय आईटी पेशेवरों** के लिए महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। इस नीति के तहत H-1B वीज़ा धारकों को **ऊंची फीस और विशेष पात्रता मानदंड** से गुजरना होगा।

- ट्रम्प प्रशासन का यह नया प्रस्ताव H-1B वीज़ा के लिए **अधिक शुल्क और चुनी हुई पात्रता** पर आधारित है।
- गोल्ड कार्ड H-1B वीज़ा को **प्राथमिकता और लंबी अवधि की सुरक्षा** प्रदान करेगा।
- इस योजना का उद्देश्य **उच्च योग्य और विशेषज्ञ आईटी पेशेवरों को आकर्षित करना** है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस पहल से अमेरिकी तकनीकी उद्योग में **कुशल पेशेवरों की कमी** को पूरा किया जा सकेगा।

भारतीय आईटी पेशेवर H-1B वीज़ा के सबसे बड़े समूह में शामिल हैं। इस नई योजना के प्रभाव को निम्न बिंदुओं में समझा जा सकता है:

1. **चुनौतियाँ:**
    - H-1B वीज़ा की **फीस बढ़ जाएगी**, जो पेशेवरों के लिए आर्थिक दबाव बढ़ाएगी।
    - गोल्ड कार्ड प्राप्त करने के लिए **विशेष योग्यता और अनुभव** की आवश्यकता होगी।

    - कुछ पेशेवरों को अब **सीधी H-1B आवेदन प्रक्रिया से बाहर होना** पड़ सकता है।
2. **अवसर :**
    - उच्च योग्य पेशेवरों को **गोल्ड कार्ड के माध्यम से लंबे समय तक अमेरिका मे कंाम करने का मौका** मिलेगा।
    - गोल्ड कार्ड धारक **अमेरिकी कंपनियों मे विशेष प्राथमिकता** प्राप्त कर सकते हैं।
    - यह नीति भारतीय पेशेवरों को **अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी योग्यता साबित करने** का अवसर देगी।

- ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि यह कदम **उच्च कौशल वाले पेशेवरों को अमेरिका मे प्रांथमिकता** देने के लिए उठाया गया है।
- अमेरिका में तकनीकी उद्योग में **आईटी विशेषज्ञों की बढ़ती मांग** को देखते हुए यह नीति लागू की जा रही है।
- नीति का लक्ष्य है कि **साधारण और कम योग्य H-1B आवेदकों को प्राथमिकता न मिले**, बल्कि केवल विशेषज्ञ और अनुभवी पेशेवर ही लाभान्वित हों।

- अमेरिकी और भारतीय IT कंपनियों ने इस नीति पर मिश्रित प्रतिक्रिया दी है।
- कुछ कंपनियों ने कहा कि यह **कुशल पेशेवरों को आकर्षित करने मे मंदद करेगा**, जबकि अन्य ने चिंता जताई कि **फीस और प्रक्रियाओं मे बंढ़ोतरी से प्रतिभा की आपूर्ति प्रभावित होगी।**
- भारतीय IT पेशेवर संघ और उद्योग समूह इस पर **सरकार से मार्गदर्शन और समर्थन** मांग रहे हैं।

एक आईटी विशेषज्ञ ने कहा—
"गोल्ड कार्ड नीति विशेषज्ञों के लिए अवसर तो लाएगी, लेकिन सामान्य पेशेवरों के लिए चुनौतियाँ बढ़ा सकती है।"

- नई नीति से **उच्च योग्य भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेगें।**
- इसके साथ ही, **कम अनुभवी पेशेवरों के लिए अमेरिका मे नौकरी पाना कठिन हो सकता है।**
- विशेषज्ञों का मानना है कि यह नीति **उच्च कौशल वाले पेशेवरों को अमेरिका मे टिकाऊ करियर** बनाने का अवसर देगी।

- भारतीय पेशेवरों को अब **अपनी योग्यता, अनुभव और कौशल को मजबूत** करना होगा।
- तकनीकी क्षेत्र में **विशेषज्ञता, प्रमाणपत्र और अंतरराष्ट्रीय अनुभव** अब और अधिक महत्वपूर्ण होंगे।
- भारतीय पेशेवर **वैश्विक IT कंपनियों मे गोल्ड कार्ड के लिए आवेदन प्रक्रिया** पर विशेष ध्यान देंगे।

एक करियर काउंसलर ने कहा—
"भारतीय IT पेशेवरों के लिए अब यह समय है कि वे अपने कौशल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार अपडेट करे और गोल्ड कार्ड जैसी प्राथमिकता वाली योजना का लाभ उठाएं।"

ट्रम्प के H-1B गोल्ड कार्ड नीति ने **भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए नए अवसर और चुनौतियाँ** दोनों खड़े कर दिए हैं।

- उच्च योग्य पेशेवरों को अमेरिका में **लंबी अवधि के रोजगार और प्राथमिकता** मिलेगी।

- कम अनुभवी पेशेवरों के लिए **आवेदन प्रक्रिया कठिन** हो जाएगी।
- भारतीय पेशेवरों को **अपनी योग्यता, कौशल और प्रमाणपत्र** मजबूत करने की आवश्यकता होगी।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि भारतीय पेशेवर इस नीति को समझदारी और रणनीति के साथ अपनाते हैं, तो **गोल्ड कार्ड योजना उनके लिए वैश्विक करियर अवसर** प्रदान कर सकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.